मध्यांचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी

2013 को स्थापित इस संस्था ने अपनी संक्षिप्त 5 वर्षीय यात्रा में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय सामाजिक विमर्शों के माध्यम से समाज विज्ञान में अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है । इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी, नई दिल्ली ने भी इसे क्षेत्रीय इकाई के रुप में मान्यता दी है । संस्था का पंजीयन 04/14/01/15761/13 है । इसका प्रधान कार्यालय जबलपुर में है ।

वर्तमान कार्यकारिणी

- **डॉ. महेश शुक्ला** – अध्यक्ष
  रीवा मोबा.: 9425184505
- **डॉ. यशपाल व्यास** – उपाध्यक्ष,
  इंदौर, मोबा.: 9425056123
- **डॉ. विजय गंभीर** – उपाध्यक्ष,
  ग्वालियर. मोबा.: 9826488254
- **डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित** – सचिव,
  जबलपुर. मोबा. : 9425386224
- **डॉ. नीलम हिंगोरानी** – सह सचिव
  इंदौर.
- **डॉ. गजानन मिश्रा** – कोषाध्यक्ष,
  करेली. मोबा.: 9893958687
- **डॉ. एस.सी. राय** – कार्यकारी सदस्य,
  सतना. मोबा.: 9424908282
- **डॉ. विनोद रस्तोगी** – कार्यकारी सदस्य,
  सतना. मोबा.: 9993460020

वेवसाईट – www.mss.in.net

प्रेषक :-
आयोजन सचिव
डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित
समाजशास्त्र विभाग
केसरवानी महाविद्यालय, जबलपुर
गोल बाजार, जबलपुर (म.प्र.)
मोबा.: 9425386224

मध्यांचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी

भारत में बढ़ता सामाजिक-सांस्कृतिक क्षरण

Increasing Socio-cultural Collapse in India

11 मार्च 2019

प्रति,
श्री/श्रीमति

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत में बढ़ता सामाजिक-सांस्कृतिक क्षरण

11 मार्च 2019

आयोजक

मध्यांचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी
जबलपुर

संबंद्ध

ऑल इंडिया सोशियोलॉजीकल सोसायटी

-: website :-
www.mss.in.net
-: email :-
dixitdhruvdixit@gmail.com
-: Mobile :-
9425386224, 7828186224

राष्ट्रीय संगोष्ठी – 11 मार्च 2019

भारत में बढ़ता सामाजिक-सांस्कृतिक क्षरण

Increasing Socio-cultural Collapse in India

भारतीय समाज विश्व का सबसे पुराना और अनुशासित आदर्श जीवन का सामाजिक-सांस्कृतिक-पारंपरिक सनातन समाज है। भारतीय समाज को पृथ्वी की प्रथम पुरातन संस्कृति कहा गया है क्योंकि इसकी सांस्कृतिक विरासत सनातन, अद्भुत एवं अद्वितीय है। विविधता में एकता और एकता में विविधता के दर्शन वाले भारतीय समाज में परंपरा एवं आधुनिकता के साथ निरंतरता (सातत्व) तथा परिवर्तन के तत्व भी दृष्टिगोचर होते हैं। बहुधर्मी, बहुजन एवं बहुरंगी भारतीय समाज राजनीतिक शक्ति से भी एक संगठित देश का स्वरुप रहा है। बहुसांस्कृतिक तत्वों से समन्वित भारतीय समाज वास्तव में सांस्कृतिक सम्पर्क और सामाजिक उथल-पुथल के परिणाम स्वरुप हुये नये-नये अनुप्रयोगों का अद्भुत परिणाम है। सैंधव सभ्यता काल से हमारी प्रमाणिक सांस्कृतिक विरासत प्रारंभ हुई वह वैदिक, उत्तरवैदिक, मौर्य, गुप्त, राजपूत, सल्तनत, मुगल तथा ब्रिटिश काल से होती हुई आधुनिक काल तक निरंतर समृद्ध होती रही है एवं सदियों से झंझावतों का दृढ़तापूर्वक सामना करते हुये एक अक्षय वट वृक्ष की भाँति अपनी शाखाओं, प्रशाखाओं का निरंतर विस्तार कर रही है, लेकिन वैश्विक परिवर्तनों एवं विचलनकारी प्रवृतियों से हमारी परमपरागत सामाजिक संस्थाओं-परिवार, विवाह एवं नातेदारी के महत्व में निरंतर गिरावट आ रही है। मौन आचरण के नियंत्रक के रुप में परिवार का महत्व क्षीण हो रहा है । भारतीय मूल्यों और संस्कृति में निरंतर हो रहे ह्रास/क्षरण के कारण परिवार संयुक्त से एकल और एकल से बिखरे परिवार में बदल रहे हैं। विवाह – पूर्व यौन संबंधों के साथ ही साथ विवाहेत्तर यौन संबंधों की बढ़ती परिणति जन्म-जन्मांतर के अटूट बंधन को छिन्न भिन्न करते हुये तलाक में दिख रही है। परिवार परामर्श केन्द्र, वृद्धावस्था आश्रम, झूलाघरों की बढ़ती स्वीकार्यता हमें सोचने को मजबूर कर रही है। "प्रोफेसर आनंद कुमार के अनुसार आज भारतीय समाज जबरदस्त संक्रमण, आशा एवं निराशा के बीच गुजर रहा है।" सांस्कृतिक क्षरण से जूझ रहे भारतीय समाज की सांस्कृतिक विरासत में परिवर्तन के लिये प्रोफेसर योगेंद्र सिंह ने कहा है कि इसका मूल कारण है – समाज में संपूर्णता से व्यक्तिवादिता, संस्तरण से समानता, पारलौकिकता से इहलौकिकता और सातत्य से परिवर्तन की ओर बढ़ना। भारतीय समाज में बढ़ता सांस्कृतिक क्षरण समाजशास्त्रियों के लिए एक चुनौती है अतः इसके कारण और समाधान के लिये मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी, 11 मार्च 2019 को जबलपुर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी निम्नांकित मुद्दों पर आयोजित कर रही है :-

- भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक क्षरण : कारण एवं समाधान।
- समाज में परिवार, विवाह, नातेदारी का घटता महत्व।
- महिला परिवार की इकाई नहीं उपभोग की वस्तु।
- भारत में बढ़ता तनाव और आत्महत्या

मध्यांचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी, उपरोक्त मुद्दों पर आपके शोधात्मक, सैद्धांतिक, वैचारिक विमर्श के माध्यम से भारतीय संस्कृति में हो रहे क्षरण को रोकने का एक प्रयास कर रहा है अतः आप अपना सैद्धांतिक, वैचारिक योगदान हमें 28 फरवरी 2019 तक ई-मेल आई डी में प्रदान करने की कृपा कीजिये।

dixitdhruvdixit@gmail.com,
dr.dhruv_dixit@ymail.com

संगोष्ठी में 35 आयुवर्ग के शोधार्थियों में से सर्वश्रेष्ठ शोधार्थी को युवा समाज वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया जावेगा।

डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित
सचिव – मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी
फ्लैट नं. 301, श्री सार्थक अपार्टमेंट, जी.एस. कॉलेज के पास, हेमाशा अपार्टमेंट के पीछे, साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर (म.प्र.)
मोबा.: 9425386224, 7828186224

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापक – 800/- रुपये
शोधार्थी – 400/- रुपये

बाह्य प्रतिभागियों को यात्रा व्यय स्वयं वहन करना होगा।